अध्याय –3: **कोरेकटिव** मेक अप

शोधक मेक अप में मुख्यरूप से हल्के और गहरे रंग का प्रयोग कर चेहरे की रूपरेखा और विशिष्टता को उभारने पर विशेष बल दिया जाता है।

चेहरे की रंगत पर हल्के या गहरे आधार का प्रयोग कर आप उसकी विशिष्टि को उभार या छायित कर एक विभ्रम पैदा कर सकते हैं।

छायाकरण : छायाकरण में आधार का प्रयोग कर गहरे मेक अप छायाभास को मिला कर चेहरे के आकार या विशिष्टता को घटाया जाता है।

विशिष्टता प्रकट करना: विशिष्टता प्रकट करने के लिए चेहरे पर हल्के रूप–सज्जा छायाभास को मिलाया जाता है ताकि चेहरे के आकार या रूपरेखा को उभारा जा सके ।

रेखाएँ : **आइब्रो पै संल** या आईलाईनर के द्वारा नेत्र क्षेत्र में रेखाओं के प्रयोग से विभ्रम पैदा किया जाता है।

सामान्यतः हाईलाईट अनुप्रयोग के क्षेत्र	सामान्यतः छायाभास अनुप्रयोग के क्षेत्र
• भौंहों की ऊपरी हड्डी	• गाल की हड्डी के नीचे के गड्ढे
• पलक का मध्य भाग	• ठोढ़ी के नीचे की हड्डी
• ललाट का मध्य भाग	• **हेयरलाइन**
• गाल की हड्डी	• **नाक की हड्डी के साथ**
• **ठोड़ी**	• जबड़े की रेखा **(कनपटी)**

1. चेहरे का आदर्श अनुपात और आकृति :

रूपसज्जा उपयोग करने का मुख्य कारण ग्राहक के चेहरे के अनाकर्षक पहलूओं को छिपा कर आकर्षक पहलूओं को उभारना है। रूपसज्जा का प्रयोग एक कला है साथ ही असरदार बनाव श्रृंगार का लक्ष्य ग्राहक के व्यक्तित्व को उभारना है। जिस प्रकार एक कलाकार अपने कैनवास को अलग–अलग खण्डों में बाँटता है उसी प्रकार रूपसज्जाकार भी शोधक बनाव–श्रृंगार का प्रयोग करने से पहले चेहरे को अलग–अलग हिस्सों में विभक्त कर लेता है। चेहरे की आकृति को तीन क्षैतिज और तीन उर्ध्वाकार रेखाओं से बाँट दिया जाता है।

क्षैतिज खण्ड

1. **हेयरलाइन** से लेकर नासिका सेतु तक
2. नासिका सेतु से लेकर नाक के अग्र भाग तक
3. नाक के अग्र भाग से लेकर ठोढ़ी के नोक तक

उर्ध्वाधर खण्ड

1. दाहिने **हेयरलाइन** से लेकर दाहिने आँख की पुतली तक
2. दाहिने आँख की पुतली से लेकर बाएँ आँख की पुतली तक
3. बाएँ आँख की पुतली से लेकर दाहिने **हेयरलाइन** तक

आकृति समन्वय के स्वीकार्य मानक

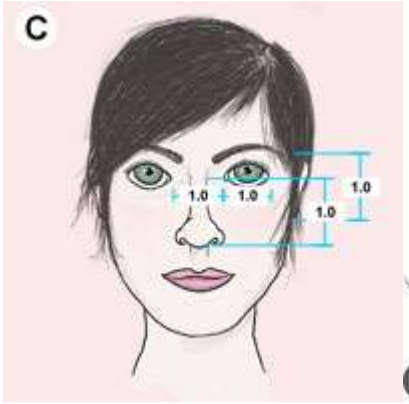

स्वर्णिम अनुपात

1. एक अण्डाकार आकृति सामान्यरूप से **गाल** की हड्डियों के मध्य पाँच आँख की दूरी के बराबर **होती** है।
2. आँखों की सज्जा एक आँख की चौड़ाई तक होना चाहिए।
3. भौंहों का उच्चतम मेहराब आँख की परितारिका से ऊपर होना चाहिए।
4. **भौहं** का भीतरी किनारा आँख के भीतरी किनारे के ठीक ऊपर होना चाहिए।
5. नाक का फैलाव एक आँख की चौड़ाई के समान होना चाहिए।
6. मुँह दो आँखों की चौड़ाई के समान होना चाहिए।
7. कान और नाक का निचला हिस्सा एक ही स्तर पर स्थित होना चाहिए।
8. नाक की लम्बाई चेहरे की लम्बाई का एक–तिहाई होना चाहिए।
9. ऊपरी होंठ की चौड़ाई निचले होंठ के मुकाबले कम हो।
10. मुँह का किनारा आँख की पुतली के ठीक नीचे हो।

चेहरे की विशेषताएं और आकार का विश्लेषण :

चेहरे का आकार चेहरे की हड्डियों की बनावट से प्रभावित होता है।

मूल रूप से चेहरे का आकार सात तरह का होता है। लक्षणों के सही अनुपात वाले अण्डाकार चेहरे को आदर्श माना जाता है।

चेहरे का आकार	चेहरे का आकार	विशेषता
अण्डाकार	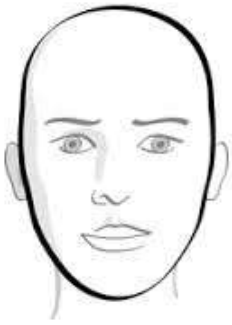	इस प्रकार के चेहरे को उत्कृष्ट माना जाता है। ऐसे चेहरे की लम्बाई इसकी चौड़ाई के मुकाबले 1.5 गुणा ज्यादा होती है। इस आकार के चेहरे पर शोधक रूप–सज्जा की जरूरत नहीं होती है।
गोलाकार	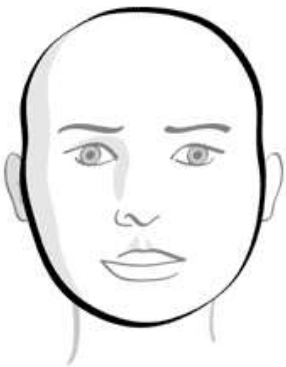	• इस तरह के चेहरे की लम्बाई और चौड़ाई समान होती है जिसके फलस्वरूप इसका आकर वृत जैसा होता है। • ललाट और जबड़े की रेखा की चौड़ाई लगभग बराबर होती है। • चेहरा गाल की हड्डियों के समीप सर्वाधिक चौड़ा होता है। • जबड़े की रेखा और केशरज्जू गोल होते हैं।

चौकोर (वर्गाकार)	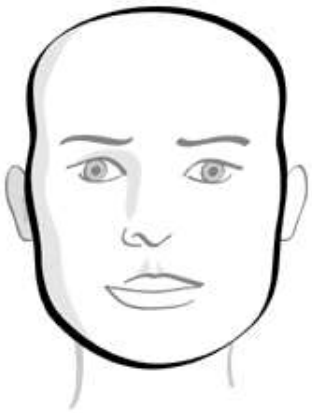	• चेहरा लम्बाई और चौड़ाई में लगभग समान होता है। • जबड़े की रेखा और ललाट की चौड़ाई एक बराबर होती है। • गाल और चेहरे के बगल का हिस्सा लगभग सीधा होता है। • ललाट चौड़ा और केशरज्जू सीधा होता है। • चेहरा गाल की हड्डियों पर सर्वाधिक चौड़ा होता है।
आयताकार	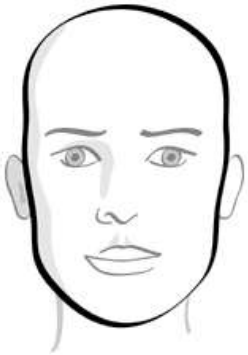	• चौड़ाई के मुकाबले चेहरे की लम्बाई ज्यादा होती है। • ठोढ़ी नुकी**ली** होती है। • गालोंकी रेखायें और चेहरे के बगल का हिस्सा सीधा होता है। • ललाट लम्बा और चौड़ा होता है तथा केश रज्जू पर गोल हो सकता है। • ललाट पर चेहरा सर्वाधिक चौड़ा होता है।
त्रिकोणीय (नाशपाती)	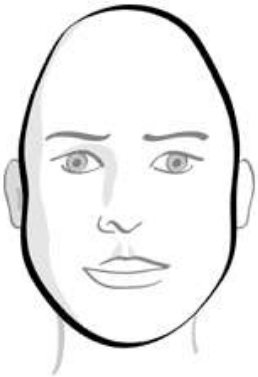	• चेहरे की लम्बाई चौड़ाई से अधिक होती है। • जबड़े की रेखा ललाट से चौड़ी होती है। • जबड़े की रेखा चौड़ी और मजबूत होती है। • ललाट संकीर्ण होता है। • चेहरा जबड़े की रेखा पर सर्वाधिक चौड़ा होता है।
उल्टा त्रिकोण (दिल के आकार का)	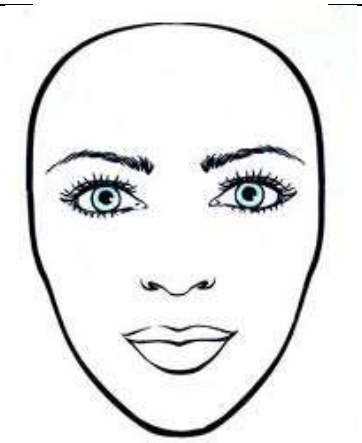	• ललाट और जबड़े की रेखा बराबर लगती है। • ठोढ़ी नुकी**ली** होता है। • गाल की रेखा और चेहरे के बगल का हिस्सा जबड़े की रेखा पर आकर खत्म हो जाता है। • केशरज्जू पर ललाट चौड़ा और गोल होता है। • चेहरा ललाट पर सर्वाधिक चौड़ा होता है लेकिन गाल की हड्डी भी चौड़ी और प्रमुखता से नजर आती है।

डायमंड	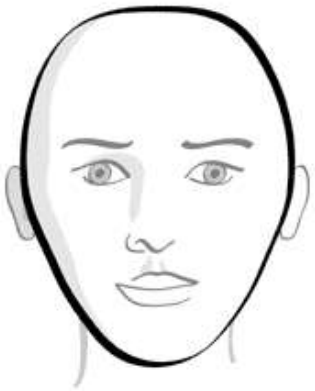	• चेहरा चौड़ाई के मुकाबले ज्यादा लम्बा होता है। • जबड़े की रेखा और ललाट की चौड़ाई एक समान होती है। • ठोढ़ी नुकी**ली** होती है। • गाल ऊँचे और नुकीले होते हैं। • ललाट संकीर्ण होता है। • चेहरा गाल की हड्डियों पर पर सर्वाधिक चौड़ा होता है।

चेहरे के विभिन्न आकारों के लिए शोधक रूप–सज्जा :

चेहरे का आकार	**कोरेकटिव** तकनीक
अण्डाकार	इस प्रकार के चेहरे को उत्कृष्ट माना जाता है। इस आकार के चेहरे में शोधक रूपसज्जा की आवश्यक्ता नहीं होती है।
गोलाकार	• चेहरे को पतला दिखाने के लिए सिर के ऊपरी भाग से जबड़े तक **शे डंग** उत्पादों का प्रयोग करें। • कान के समानान्तर त्रिभुज के आकार में ब्लशर (blusher) का उपयोग करें।
चौकोर (वर्गाकार)	• जबड़े की रेखा और केशरज्जू के कोणें पर **शेड** प्रदान करें। • सिर के ऊपरी भाग और गाल की हड्डियों के क्षेत्र में छायाकरण का प्रयोग करें। • ब्लशर का प्रयोग चक्राकार गति में करते हुए सिर के ऊपरी भाग तक जायें।
आयताकार	• ललाट पर विशेष बल दें। • ठोढ़ी के बगल के हिस्सों और जबड़े की रेखा के कोणों पर छायाभास प्रदान करें। • गाल के भरे हुए हिस्सों पर ब्लशर का प्रयोग करें; इसे गाल की हड्डियों पर प्रयोग करते हुए सिर के ऊपरी भाग तक ले जायें।
त्रिकोणीय (नाशपाती)	• ललाट पर विशेष बल दें। • नुकीली ठोढ़ी पर छायाभास का प्रयोग करें। • ललाट के किनारों ओर सिर के ऊपरी भाग पर छायाकरण का प्रयोग करें। • ब्लशर का प्रयोग गाल की हड्डियों के नीचे सिर के ऊपरी भाग की तरफ ऊपर और नीचे की दिशा में करें।
उल्टा त्रिकोण (दिल के आकार का)	• **शे डंग** उत्पादों का प्रयोग केशरज्जू पर करें। • ठोढ़ी की लम्बाई कम करने के लिए **शे डंग** उत्पादों का प्रयोग करें। • चेहरे की रेखा और सिर के ऊपरी भाग को विशिष्टता प्रदान करें। • गाल की हड्डियों पर ब्लशर का उपयोग करें।
डायमंड	• **शे डंग** उत्पादों का इस्तेमाल ऊँची ठोढ़ी के मध्य भाग में करें ताकि उनकी लम्बाई कम दिखे। • सिर के ऊपरी भाग और जबड़े की रेखा पर विशेष बल दें। • गाल की हड्डियों पर ब्लशर का प्रयोग करें।

आँखों के लिए **कोरेकटिव** मेक अप :

चेहरे की विशेषताओं को संतुलित करने में आँखों का विशेष महत्व होता है। आँखों पर किया गया शोधक रूपसज्जा का सही प्रयोग विभ्रम पैदा कर चेहरे और रूपसज्जा के पूरे **प्रभाव** को काफी बढ़ा देता है।

आंखों का आकार	शोधक तकनीक
काले धब्बे	काले धब्बों को कम करने के लिए सही **कंसीलर** का प्रयोग करें।
गोलाकार आँखें	• पलकों के ऊपर गहरे आई–शैडो का प्रयोग करें। • आई–लाईनर को ऊपरी एवं निचली पलकों के बाहरी हिस्से तक लगायें; इस तकनीक से आँखें लम्बी नजर आती है।
छोटी आँखें	• ऊपरी पलक पर हल्के रंग का आई–शैडो लगाएं। • अंदरूनी पलक पर सफेद आई–लाइनर **पै संल** का प्रयोग करें। • भौंह की रेखा को विशिष्टता प्रदान करें ताकि आँखों का क्षेत्र खुला नजर आए। • निचली पलक के बाहरी किनारे पर हल्के रंग के आई–लाइनर का प्रयोग करें। • बाहरी किनारे की बरौनी पर **ध्यान** केंद्रित करते हुए **मस्कारा** का उपयोग करें फिर आई–लैश–कर्लस प्रयोग में लाएं।
गहरी आँखें	• हमेशा हल्के रंग के आई–शेडों का इस्तेमाल करें। • ऊपरी और निचली पलकों के बाहरी किनारों पर बाहर की तरफ बढ़ते हुए आई–लाइनर का प्रयोग करें। • निचली पलक के अंदरूनी हिस्से में पतली आई–शैडो रेखा प्रयोग में लाएं।
लंबी पलकें	• ऊपरी पलक के मध्य भाग में हल्के हाईलाईटर का प्रयोग करें। • ऊपरी पलक की रूपरेखा बनाने के लिए गहरे आई–शैडो का इस्तेमाल करें। • हल्के आई–लाइनर का प्रयोग सिर्फ निचली पलक पर ही करें।
बड़ी आँखें	• ऊपरी पलक के क्षेत्र में **मैट** आई–शैडो का प्रयोग कर अच्छी तरह मिलाएं। • भौंहों की रूपरेखा को विशिष्टता प्रदान करें। • आई–लाईनर का प्रयोग सिर्फ नीचे की पलक के अन्दरूनी हिस्से में करें।
नजदीक स्थित आँखें	• ऊपरी पलक के अन्दरूनी हिस्से में हल्के आई–शैडो का प्रयोग करें। • ऊपरी पलक के बाहरी किनारे पर गहरे आई–शैडो का प्रयोग करें। • भौंहों के बीच दूरी बनाएँ। • ऊपरी पलक के मध्य भाग से लाइनर का इस्तेमाल शुरू कर उसे बढ़ाते हुए आँखों के बाहरी किनारे तक जाएँ।
चौड़ी आँखें	• ऊपरी पलक के अन्दरूनी हिस्से में गहरे आई–शैडो का प्रयोग करें। • ऊपरी पलक के बाहरी हिस्से में हल्के आई–शैडो का प्रयोग करें। • भौंहों की अन्दरूनी रेखाओं को बढ़ाएं ताकि वह एक–दूसरे के करीब नजर आए। • गहरे आई–लाइनर का प्रयोग ऊपरी पलक के अन्दरूनी आधे हिस्से में करें।

नाक के लिए **कोरेकटिव** मेक अपः

बड़ी नाक	• नाक पर गहरे फाउंडेशन का प्रयोग करें। • नाक के बगल और गाल के हिस्सों पर हल्के फाउंडेशन का प्रयोग करें। • नाक के पास ब्लशर का प्रयोग करने से बचें।
छोटी नाक	• नाक के मध्य भाग और आँखों के बीच हल्के फाउंडेशन का प्रयोग करें।
चौड़ी नाक	• नाक की नासाछिद्र के बगल में गहरे फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। • नाक के मध्य भाग में हल्के फाउंडेशन को लगा कर अच्छी तरह मिलाएँ।

होंठ के लिए **कोरेकटिव** मेक अप :

होंठ की बाहरी रूपरेखा काफी हद तक सुनिश्चित होती है और इसमें बदलाव काफी जटिल होता है। होंठ के ऊपर और नीचे की त्वचा पर किया गया रंगों का इस्तेमाल बहुत ज्यादा नजर आता है। फिर भी कई तरह के रंगों और शोधक तकनीकों का प्रयोग कर सही अनुपात का विभ्रम पैदा किया जा सकता है।

पतले होंठ	• होंठ **पै संल** का प्रयोग कर मनचाहा आकार रेखांकित करें। • लिपस्टिक के रंग का इस्तेमाल करें। • पॉउडर से **अवशो षत करने** के पश्चात फिर से रंग लगाएँ।
छोटा मुहँ और होंठ	• होंठों को रेखांकित करने वाली **पै संल** का प्रयोग कर ऊपरी और निचले होंठों की रूपरेखा बनाएँ। • हल्के या **तुषारिक** रंगों में लिपस्टिक का प्रयोग करें।
बड़े,भरे हुए होंठ	• होंठों की प्राकृतिक रेखा के ठीक अन्दर एक महीन रेखा बनाएँ। • ध्यानाकर्षण से बचने के लिए हल्के, **मैट** और प्राकृतिक रंगों के इस्तेमाल से बचें। • होंठों पर चमकीले उत्पादों के प्रयोग से बचें।
असमयित होंठ	• आधार लगाएँ। • जरूरी सुधारों के लिए **लप–पै संल** का प्रयोग करें। • एक मूल रंग का प्रयोग करें, अतिरिक्त लिपस्टिक को साफ करें। • होंठों का रंग लगाएँ।
झुर्रीदार होंठ	• होंठों पर आधार लगाकर अच्छे से पाउडर का प्रयोग करें। • होंठ–तुलिका की मदद से होंठों की रूपरेखा बनाएँ। • रूपरेखा के अन्दर **मैट** लिपस्टिक का प्रयोग करें। • कभी भी लिप–ग्लौस का प्रयोग न करें।

अभ्यास प्रश्न (सैद्धान्तिक) :

1. चेहरे के सात मूल आकारों को ठीक करने के लिए **शे डंग** और हाइलाईटर के प्रयोग का तरीका प्रदर्शित करें।
2. निम्नलिखित के लिए शोधक रूप–सज्जा लिखें।
   क. चौकोर चेहरा
   ख. छोटी आँखें
   ग. चौड़ी नाक
   घ. झुर्रीदार होंठ
3. रेखांकन के द्वारा चेहरे के आदर्श अनुपात का वर्णन करें।

अभ्यास प्रश्न (व्यवहारिक) :

1. चेहरे के आकार को ठीक करने के लिए छायाकरण और हाईलाईटर के प्रयोग का तरीका प्रदर्शित करें।
2. चेहरे के विभिन्न आकारों के लिए शोधक रूपसज्जा का प्रदर्शन करें।
3. नजदीक अवस्थित और चौड़ी आँखों के लिए **शे डंग** रूपसज्जा का वर्णन करें।
4. विषम होंठ और बड़े नाक की शोधक रूपसज्जा का प्रदर्शन करें।